बहुजन हिताय! बहुजन सुखाय!

सक्षम भारत

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक | इन्द्रजीत सिंह, मुख्य संवाददाता/सचिव, CNSI-Delhi

दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश से प्रसारित

www.sakshambharat;net, E-mail : saksham.bharat@hotmail.com

Member : CENTRAL NEWSPAPER SOCIETY OF INDIA DELHI

● वर्ष: 24 ● अंक: 175 ● नई दिल्ली ● सोमवार 27 अप्रैल 2026 ● प्रभात कालीन ● मूल्य: 3 रूपया ● पृष्ठ: 4

रिपब्लिकन मजदूर संगठन के सदस्य बनें

E-mail : rmsdp@hotmail.com

अनागरिक गीता भारती भवन

बी-2/370, सुल्तानपुरी

दिल्ली-86

राघव चड्ढा-आप सांसदों के बीजेपी में शामिल होने पर सीएम रेखा गुप्ता का बड़ा बयान

नई दिल्ली । पंच चड्ढा और आप के छह सांसदों के बीजेपी में शामिल होने पर दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता की प्रतिक्रिया सामने आई है. रविवार (26 अप्रैल) को कटरा में माता वैष्णो देवी के दर्शन के बाद मीडिया ने उनसे इस सियासी घटनाक्रम को लेकर सवाल किया. इस पर सीएम ने कहा कि समय आने पर मां सबको सद्बुद्धि देती है, सद्मार्ग दिखाती है और हम मिलकर अच्छे मार्ग पर चलें और देश को आगे लेकर जाएं. माता वैष्णो देवी के दर्शन अनुभव पर उन्होंने कहा, आज मां की आराधना करते हुए, उनके चरणों में शीश नवाते हुए मैं ये समझती हूं कि देवी का आशीर्वाद हम भारतीयों के साथ, हम सब सनातनियों के साथ है. मां वैष्णो देवी की कृपा हम सब पर ऐसे ही बनी रहे और पूरा भारतवर्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तरक्की करे, आगे बढ़े, खुशहाल हो, यही मेरी मां के चरणों में प्रार्थना थी.

मन की बात- पीएम मोदी ने गिनाई Energy Sector की उपलब्धियां, राष्ट्र निर्माण और संस्कृति पर भी रखें विचार

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 133वें एपिसोड में देश को संबोधित किया। इस दौरान पीएम ने भारत के परमाणु कार्यक्रम और पवन ऊर्जा में मिली बड़ी सफलताओं पर गर्व जताया। उन्होंने कहा कि देश के वैज्ञानिक लगातार राष्ट्र निर्माण में अहम योगदान दे रहे हैं। पीएम ने इसके साथ ही भारतीय संस्कृति, आने वाले त्योहारों और तकनीक के बढ़ते प्रभाव पर भी अपने विचार साझा किए।

परमाणु ऊर्जा में ऐतिहासिक सफलता

प्रधानमंत्री ने बताया कि भारत के परमाणु वैज्ञानिकों ने एक बहुत बड़ी कामयाबी हासिल की है। तमिलनाडु के कलपक्कम में फास्ट ब्रीडर रिएक्टर ने क्रिटिकैलिटी हासिल कर ली है। पीएम ने गर्व से कहा कि यह भारत की परमाणु ऊर्जा यात्रा में एक बड़ा मील का पत्थर है और सबसे बड़ी बात यह है कि इसे पूरी तरह से भारत की अपनी तकनीक से बनाया गया है।

पवन ऊर्जा में दुनिया में भारत का डंका

पीएम मोदी ने पवन ऊर्जा को एक ऐसी अदृश्य शक्ति बताया जो देश को आगे ले जा रही है। भारत ने पवन ऊर्जा के क्षेत्र में बड़ी प्रगति की है और अब देश की उत्पादन क्षमता 56

गीगावॉट से अधिक हो गई है। इस उपलब्धि के साथ भारत आज दुनिया में पवन ऊर्जा के मामले में चौथे स्थान पर पहुंच गया है।

बुद्ध पूर्णिमा से पहले शांति का संदेश

मई महीने की शुरुआत के साथ ही पीएम ने जल्द आने वाली बुद्ध पूर्णिमा की सभी देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि आज की तनावपूर्ण दुनिया में भगवान गौतम बुद्ध के विचार बहुत जरूरी हैं। बुद्ध ने सिखाया था कि शांति की शुरुआत अपने अंदर से होती है और खुद पर जीत पाना ही सबसे बड़ी जीत है।

बीटिंग रिट्रीट में भारतीय संगीत

पीएम ने गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान होने वाली बीटिंग रिट्रीट पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि इस समारोह में अब भारतीय संगीत का इस्तेमाल काफी बढ़ गया है, जिसे लोग बहुत पसंद कर रहे हैं। इस साल वायुसेना, थलसेना, नौसेना और CAPF के बैंड्स ने बहुत शानदार प्रदर्शन किया।

अंत में, प्रधानमंत्री ने बदलते दौर में टेक्नोलॉजी के महत्व पर बात की। उन्होंने कहा कि तकनीक हमारे जीवन का जरूरी हिस्सा बन गई है। उन्होंने एक ऐसी घटना का जिक्र किया जिसने शिक्षा और इतिहास से जुड़े लोगों को बहुत खुश किया है। पीएम ने कहा कि तकनीक हमारे अतीत और आज को बहुत आसानी से आपस में जोड़ रही है।

लोकल से ग्लोबल हुआ भारतीय चीज- पीएम बोले- दुनिया की थाली तक पहुंचा भारत का स्वाद; मन की बात में बढ़ाया हौसला

नई दिल्ली ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात में भारत के डेयरी सेक्टर की बढ़ती ताकत और वैश्विक स्तर पर भारतीय चीज की पहचान का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि भारत का स्वाद, परंपरा और गुणवत्ता अब दुनिया भर में नई पहचान बना रहे हैं।

भारत का स्वाद अब दुनिया तक पहुंच रहा

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा हमारे देश में खान-पान की परंपराएं सिर्फ स्वाद तक सीमित नहीं रही हैं। भारतीय चीज भी इसी परंपरा का अहम हिस्सा है। उन्होंने बताया कि ब्राजील में आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय चीज प्रतियोगिता में भारत के दो ब्रांड्स को प्रतिष्ठित पुरस्कार मिले, जिसकी चर्चा सोशल मीडिया पर भी खूब हुई। पीएम मोदी ने कहा कि भारत के डेयरी सेक्टर में तेजी से बदलाव हो रहा है। उन्होंने बताया कि वैल्यू एडिशन के चलते पारंपरिक स्वादों को नई पहचान मिली है और अब भारतीय चीज वैश्विक बाजार में अपनी जगह बना रहा है।

भारत के अलग-अलग हिस्सों के खास चीज

प्रधानमंत्री ने देश के विभिन्न क्षेत्रों में बनने वाले खास चीज का भी जिक्र किया। जम्मू-कश्मीर का कालारी चीज, जिसे मोजरेला ऑफ कश्मीर भी कहा जाता है, लंबे समय से गुजर-बकरवाल समुदाय द्वारा बनाया जाता रहा है। वहीं, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश और लद्दाख में मिलने वाला छुर्पी याक के दूध से तैयार किया जाता है। पीएम मोदी ने कहा कि इसका स्वाद पहाड़ों की सादगी और नरमी को दर्शाता है। इसके अलावा महाराष्ट्र और गुजरात का टोपली नू पनीर या सुरती चीज भी अपनी अलग पहचान रखता है।

लोकल टू ग्लोबल का मजबूत उदाहरण

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज कई भारतीय कंपनियां इस क्षेत्र में निवेश कर रही हैं। नई तकनीक, बेहतर पैकेजिंग और अंतरराष्ट्रीय मानकों के कारण भारतीय उत्पाद अब वैश्विक बाजार और रेस्टोरेंट तक पहुंच रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा भारतीय चीज का उदाहरण हमें दिखाता है कि लोकल से ग्लोबल की दिशा में कैसे आगे बढ़ा जा सकता है। उन्होंने विश्वास जताया कि भारत का स्वाद और परंपरा दुनिया के लोगों को नया अनुभव देगी और देश से उनका जुड़ाव भी मजबूत करेगी। प्रधानमंत्री के अनुसार, भारतीय चीज सिर्फ एक खाद्य उत्पाद नहीं, बल्कि देश की परंपरा और विविधता का प्रतीक है, जो अब दुनिया भर में अपनी पहचान बना रहा है।

सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी- अग्रिम जमानत भले खारिज करें, पर सरेंडर का आदेश नहीं दे सकतीं अदालतें

नई दिल्ली । देश की सर्वोच्च अदालत ने अग्रिम जमानत और अदालती क्षेत्राधिकार को लेकर महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि किसी भी आरोपी की अग्रिम जमानत याचिका को खारिज करना अदालत का अधिकार है। हालांकि, याचिका खारिज करते समय अदालत के पास यह शक्ति नहीं है कि वह आरोपी को संबंधित ट्रायल कोर्ट के सामने आत्मसमर्पण करने का निर्देश दे। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस उज्वल भुइयां की खंडपीठ ने एक मामले की सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की। यह मामला धोखाधड़ी और जालसाजी के आरोपी एक व्यक्ति की ओर से दायर की गई विशेष अनुमति याचिका से जुड़ा था। पीठ ने सुनवाई के दौरान न्यायिक सीमाओं के बारे में बात की। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यदि अदालत अग्रिम जमानत खारिज करना चाहती है, तो वह ऐसा कर सकती है। लेकिन अदालत के पास यह कहने का कोई कानूनी अधिकार नहीं है कि याचिकाकर्ता अनिवार्य रूप से सरेंडर करे। यह पूरा मामला झारखंड हाईकोर्ट के एक पुराने आदेश से उपजा था। हाई कोर्ट ने भूमि विवाद से संबंधित एक मामले में आरोपी की अग्रिम जमानत याचिका को खारिज कर दिया था। याचिका खारिज करने के साथ ही हाई कोर्ट ने आरोपी को निर्देश दिया था कि वह निचली अदालत के सामने आत्मसमर्पण करे और नियमित जमानत के लिए आवेदन करे। पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार, मजिस्ट्रेट के समक्ष शिकायत दर्ज कराई गई थी। इसमें आरोपी पर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की विभिन्न गंभीर धाराओं के तहत आरोप लगाए गए थे। इनमें धारा 323 यानी स्वेछा से चोट पहुंचाना, 420- धोखाधड़ी, 468 यानी धोखाधड़ी के उद्देश्य से जालसाजी और 471- जाली दस्तावेज का उपयोग शामिल हैं। झारखंड हाईकोर्ट ने आरोपी की दूसरी अग्रिम जमानत याचिका को इस आधार पर खारिज कर दिया था कि मामले में कोई नई परिस्थितियां सामने नहीं आई हैं।

हाईकोर्ट ने अपने पिछले आदेश पर भरोसा जताया था। उस आदेश में अदालत ने सतेंदर कुमार अंतिल बनाम सीबीआई मामले के फैसले का हवाला देते हुए आरोपी को ट्रायल कोर्ट में सरेंडर करने को कहा था। सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के इस दृष्टिकोण को गलत ठहराया। शीर्ष अदालत ने कहा कि इस तरह का निर्देश पूरी तरह से क्षेत्राधिकार के बिना दिया गया था।

दिल्ली में जीवंत होंगे इंदिरा गांधी, महात्मा गांधी और अटल वाजपेयी, यहां एआई 3डी अवतार में जल्द आएंगे नजर

नई दिल्ली ।

दिल्ली के प्रधानमंत्री संग्रहालय में जल्द ही गांधी और वाजपेयी के एआई अवतार जीवंत हो उठेंगे. दिल्ली के प्रधानमंत्री संग्रहालय में आने वाले विजिटर जल्द ही महात्मा गांधी और अटल बिहारी वाजपेयी के एआई रूप से निर्मित अति-यथार्थवादी 3डी अवतारों के साथ संवाद कर सकेंगे, जो इतिहास के एक गहन अनुभव को अत्याधुनिक तकनीक के साथ जोड़ते हैं. दोनों नेताओं को एआई अवतार में लाने का प्रोजेक्ट अंतिम चरण में है. बता दें कि पिछले साल सितंबर में सरदार बल्लभभाई पटेल के स्थल से ऐसी ही शुरुआत हुई थी. पहली एआई प्रदर्शनी की शुरुआत के बाद लोगों द्वारा शानदार प्रतिक्रियाएं मिलने के बाद अब यह कदम उठाया गया है.

पीएम संग्रहालय के निदेशक ने क्या कहा?

प्रधानमंत्री संग्रहालय के निदेशक

अश्वनी लोहानी ने पीटीआई को बताया कि हम विजिटर्स के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए संग्रहालय में एआई के व्यापक उपयोग पर काम कर रहे हैं. हमने सरदार पटेल के आदमकद एआई-संचालित होलोबॉक्स से शुरुआत की, और फिर पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम के होलोबॉक्स लगाए. जल्द ही, हम गांधीजी और अटलजी के भी इसी तरह के अवतार लाएंगे. इस प्रोजेक्ट की मौजूदा स्थिति पर उन्होंने कहा कि यह आखिरी चरण में है. इस साल मई के आखिर में नेताओं के अवतार का शुभारंभ होने की उम्मीद है. बता दें कि प्रधानमंत्री संग्रहालय को 14 अप्रैल को चार साल पूरे हो गए हैं. इस संग्रहालय में हर रोज 1400-1500 लोग घूमने आते हैं.

चार साल पूरे होने पर क्या बोले निदेशक?

संग्रहालय के चार साल पूरे होने पर निदेशक लोहानी ने कहा कि यह सफर शानदार रहा है. पीएमएमएल दुनिया के अद्वितीय संग्रहालयों में से एक है. अब यहां खूब पर्यटक आते हैं. हम प्रौद्योगिकी का उपयोग बढ़ा रहे हैं. उन्होंने कहा कि यह संग्रहालय लोकतंत्र की अवधारणा को सुरक्षित करता है, जो इसका मूल विषय है. आंकड़ों पर उन्होंने बताया कि साल 2025-26 में 64 लाख से यादा लोगों ने संग्रहालय का दौरा किया. इससे इसकी बढ़ती लोकप्रियता दिखती है. पर्यटकों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए हम संग्रहालय में पहुंच में सुधार करने के लिए एआई का प्रयोग करने पर भी सोच रहे हैं. उन्होंने बताया कि दिल्ली में आयोजित एआई शिखर सम्मेलन में भाग लेने वाले स्टार्टअप के साथ हम लोग काम कर रहे हैं. यह प्रोजेक्ट एआई आधारित तकनीक से लैस और उससे जुड़े स्मार्ट ग्लास के उपयोग की संभावनाओं का पता लगाती है.

कपिल सांगवान गैंग में काम कर रहा था बीटेक पास बदमाश,अवैध हथियारों के साथ दिल्ली में गिरफ्तार

नई दिल्ली। कपिल सांगवान उर्फ नंदू गिरोह के कुख्यात बदमाश को अवैध हथियार के साथ क्राइम ब्रांच की टीम ने गिरफ्तार किया है। इसकी पहचान द्वारका नार्थ के आदित्य मिश्रा के रूप में हुई है। आरोपित के कब्जे से दो पिस्टल, तीन कारतूस और अपराध में इस्तेमाल की जाने वाली स्कूटी बरामद हुई है। आरोपित इम्फाल से बीटेक कर चुका है और कपिल सांगवान द्वारा व्यापारी से रंगदारी मांगे जाने पर पीड़ित पर रंगदारी दिए जाने का दबाव बना रहा था। पुलिस इससे पूछताछ कर गिरोह में शामिल अन्य आरोपितों की तलाश में जुटी है। उपायुक्त हर्ष इंदौरा के मुताबिक, राजधानी में हाल ही में संगठित अपराध, रंगदारी, हथियारों से लैस हमले और हथियारों के गैर-कानूनी इस्तेमाल की घटनाओं में बढ़ोतरी को देखते हुए क्राइम ब्रांच सक्रिय और कुख्यात अपराधियों की पहचान करने और उन्हें पकड़ने के लिए लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी के तहत गुप्त जानकारी मिलने पर एसीपी भगवती प्रसाद की देखरेख में और इंस्पेक्टर कृष्ण कुमार के नेतृत्व में गठित टीम ने सात अप्रैल को यूईआर-II, पोचनपुर गांव, द्वारका के पास जाल बिछाया और आरोपित आदित्य को स्कूटी चलाते हुए देखा। उसने मौके से भागने की कोशिश की, लेकिन टीम ने पीछा कर उसे दबोच लिया। तलाशी के दौरान, उसके कब्जे से एक पिस्टल और दो कारतूस मिले। उसकी निशानदेही पर एक खास जगह से एक सिंगल-शाट पिस्टल, एक कारतूस और एक खाली बंदूक बरामद हुई। पूछताछ में पता चला कि कपिल सांगवान उर्फ नंदू ने कापसहेड़ा के एक व्यापारी से रंगदारी मांगी थी। इस मामले में 11 मार्च को कपासहेड़ा थाने में केस दर्ज हुआ था। पूछताछ में पता चला कि आरोपित आदित्य पीड़ित और गैंग्सटर दोनों के सीधे संपर्क में पाया गया और वह पीड़ित पर गैंग्सटर के पक्ष में मामला निपटाने के लिए दबाव डाल रहा था। पूछताछ में आरोपित ने बताया कि वह पढ़े-लिखे परिवार से है। उसके पिता चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं। उसने अपनी स्कूल की पढ़ाई द्वारका से पूरी की और बाद में इम्फाल से बीटेक किया। 2021 में दिनेश उर्फ बंटी अहलावत के जरिए अशोक प्रधान गिरोह के शूटर रोहित लांबा से जुड़ गया और आपराधिक गतिविधियों में शामिल हो गया।

हीट वेव प्लान में बड़ा बदलाव- स्कूलों में बच्चों को ओआरएस देना जरूरी, पशु-पक्षियों के लिए पानी की होगी व्यवस्था

नई दिल्ली । दिल्ली में बढ़ती गर्मी के बीच सरकार ने हीट वेव प्लान में दो बड़े बदलाव किए हैं। अब स्कूलों में बच्चों को छुट्टी से पहले ओआरएस घोल दिया जाएगा और सार्वजनिक जगहों पर पशु-पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था होगी। दिल्ली में तेज होती गर्मी और लू के खतरे को देखते हुए सरकार ने हीट वेव एक्शन प्लान में अहम बदलाव किए हैं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के निर्देश पर अब दिल्ली सरकार के करीब 15 लाख और एमसीडी स्कूलों के लगभग 6 लाख बच्चों को छुट्टी से पहले ओआरएस घोल पिलाकर घर भेजा जाएगा, ताकि डिहाइड्रेशन से बचाव हो सके। इसके साथ ही जिला प्रशासन और सिविक एजेंसियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे पार्कों और सार्वजनिक स्थानों पर पशु-पक्षियों के लिए पीने के पानी की व्यवस्था करें।

आज तेज लू चलने की चेतावनी

मौसम विभाग ने दिल्ली समेत उत्तर भारत के

कई राज्यों में अगले दो दिनों तक तेज लू चलने की चेतावनी दी है। तापमान 40 डिग्री के पार जाने की संभावना है। ऐसे में मजदूरों, बच्चों और बेसहारा पशु-पक्षियों को सबसे यादा खतरा माना जा रहा है। इससे पहले सरकार ने 'हीट वेव एक्शन प्लान 2026' लागू कर दिया है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि अस्पतालों में हीट वेव मरीजों के लिए पर्याप्त बेड और एम्बुलेंस में जरूरी सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं।

स्कूलों में वाटर बेल सिस्टम लागू

स्कूलों में 'वॉटर बेल' सिस्टम लागू करने के भी निर्देश दिए गए हैं, जिससे बच्चों को समय-समय पर पानी पीने की याद दिलाई जा सके। साथ ही अस्पताल, स्कूल, बस स्टैंड, पुलिस थानों और अन्य सार्वजनिक जगहों पर साफ पेयजल और ओआरएस उपलब्ध कराया जाएगा।

339 से यादा स्वास्थय केंद्रों को किया अलर्ट

सरकार ने बताया कि पूरे शहर में 339 से यादा स्वास्थ्य केंद्र ओआरएस और आइस पैक से लैस किए गए हैं और 30 से अधिक अस्पतालों में 'कूल रूम' बनाए गए हैं। 330 एम्बुलेंस को भी तैयार रखा गया है। मैदानी स्तर पर पानी के टैंकर, वॉटर कूलर, शेड और कूलिंग पॉइंट बढ़ाए जा रहे हैं। दिल्ली पुलिस और ट्रैफिक पुलिस भी ओआरएस बांट रही है।

मजदूरों को लेकर बढ़ी चिंता

निर्माण कार्यों में लगे मजदूरों के लिए भी दोपहर के समय काम से बचाव, छाया, पानी और आराम की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

सरकार का लक्ष्य है कि 2030 तक हीट वेव से होने वाली मौतों को शून्य तक लाया जाए। इसके लिए सभी विभागों को मिलकर इस योजना को जमीन पर लागू करने को कहा गया है, ताकि लोगों को भीषण गर्मी से सुरक्षित रखा जा सके।

चुनावी भविष्यवाणी करना आसान नहीं ?

हाल के सालों में किसी भी विधानसभा चुनाव प्रचार में खाने-पीने को लेकर इतनी चर्चा नहीं हुई, जितनी पश्चिम बंगाल के चुनाव में हुई है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने जब यह डर जताया कि अगर भाजपा सत्ता में आई, तो राज्य के लोगों की थालियों से मांस और मछली गायब हो जाएगी, तो भगवा पार्टी के नेताओं ने अपनी मांसाहारी पहचान साबित करने में जरूरत से ज्यादा समय लगा दिया। कुछ उम्मीदवारों का हाथों में मछली लेकर घर-घर घूमना तो एक मज़ाकिया नज़ारा था ही, इसके अलावा भाजपा के बड़े नेताओं ने पहले चरण के चुनाव प्रचार एक शानदार बंगाली दावत के साथ खत्म किया, जिसमें राज्य की मशहूर झिंगा मसाले वाली मछली की करी पर खास ज़ोर दिया गया था। टीवी कैमरों को बुलाया गया ताकि वे केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर और दूसरे नेताओं को मछली की करी का लुत्फ़ उठाते हुए फ़िल्मा सकें; उन्हें उम्मीद थी कि इन दृश्यों को देखकर बंगाली वोटर पार्टी की तरफ आकर्षित होंगे। बाद में पीएम मोदी का मुरमुरे से बनाया जाने वाला 'टी टाइम स्नैक' झालमुड़ी खूब चर्चित रहा। उस छोटे से कागज के कोन के पैसे देने के लिए अपनी जेब से 10 रुपये का नोट भी निकाला। भाजपा के 'खाने पर केंद्रित' 2026 के चुनाव प्रचार की वजह से अब बंगाल के खान-पान की पसंद-नापसंद पूरे देश में चर्चा का विषय बन गई है। पवन खेड़ा कहां हैं? कांग्रेस के ये जाने-पहचाने और बेबाक प्रवक्ता, जिन्होंने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी के तीन विदेशी पासपोर्ट को लेकर आरोप लगाकर सरमा को नाराज़ कर दिया था। असम पुलिस द्वारा मानहानि के आरोप में उनके खिलाफ़ आपराधिक मामले दर्ज किए जाने के बाद से खेड़ा गायब हो गए हैं। उन्हें आखिरी बार हैदराबाद में देखा गया था, जहां उनकी पत्नी रहती हैं। लेकिन उस दिन के बाद से, जो कि कई दिन पहले की बात है, उन्हें फिर कभी नहीं देखा गया। ऐसा लगता है कि वे कहीं छिपे हुए हैं और गुवाहाटी हाई कोर्ट के उस फ़ैसले का इंतज़ार कर रहे हैं, जो उन्होंने अग्रिम ज़मानत के लिए दायर अपनी अर्ज़ी पर मांगा है; इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने उनकी वह ज़मानत रद्द कर दी थी, जो उन्होंने तेलंगाना हाई कोर्ट से किसी तरह हासिल कर ली थी।

हैरानी की बात यह है कि सरमा ने भी अब खेड़ा के बारे में चुप्पी साध ली है। खेड़ा द्वारा एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में लगाए गए चौंकाने वाले आरोपों के बाद सरमा ने काफ़ी हंगामा मचाया था और राज्य पुलिस को उनके पीछे लगा दिया था। लेकिन उसके बाद से सरमा की तरफ़ से इस मामले में कोई खास कार्रवाई या प्रतिक्रिया देखने को नहीं मिली है। भाजपा के अंदरूनी लोग सोच रहे हैं कि क्या उन्हें अपनी पत्नी से जुड़े विवाद पर चुप रहने के लिए कहा गया है। इस बीच, खेड़ा की गैरमौजूदगी की वजह से कांग्रेस की ब्रीफिंग का असर कम हो गया है। उन पर भरोसा किया जा सकता था कि वे अपनी तीखी प्रेस कॉन्फ्रेंस और भाजपा की आलोचना करने वाले ट्वीट्स से विवाद खड़े करेंगे। कांग्रेस के हलकों में यह चर्चा है कि उन्हें कब तक छिपकर रहना पड़ेगा। आम आदमी पार्टी के बागी राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा और उनकी पार्टी के बीच जंग का परिणाम सामने आ गया है। राघव चड्ढा ने केजरीवाल को झटका देते हुए कई राज्यसभा सांसदों के साथ पार्टी को तोड़ दिया और भाजपा में अपने गुट का विलय करने का ऐलान कर दिया। आप के एक प्रवक्ता ने हाल ही में आरोप लगाया था कि चड्ढा ने पार्टी के साथी और राज्यसभा सांसद अशोक कुमार मित्तल के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय की छापेमारी करवाने के लिए भाजपा नेताओं से गुपचुप मुलाकात की थी। मित्तल को राज्यसभा में आप का उप-नेता चड्ढा की जगह नियुक्त किया गया था। दिलचस्प बात यह है कि संसद के ऊपरी सदन में पार्टी के पद से चड्ढा को हटाए जाने के कुछ ही दिनों के भीतर ईडी ने मित्तल से जुड़े दफ्तरों और ठिकानों पर छापेमारी की। मित्तल पंजाब में कई शिक्षण संस्थानों के मालिक हैं, जिनमें फगवाड़ा स्थित लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी भी शामिल है। ईडी ने दावा किया है कि ये छापेमारी मित्तल के संस्थानों के खिलाफ फेमा जांच के सिलसिले में की गई थी। जिस बात ने शक पैदा किया है, वह है छापेमारी का समय। ये छापेमारी तब हुई, जब चड्ढा को राज्यसभा में उप-नेता के पद से हटा दिया गया था और उनकी जगह मित्तल को नियुक्त किया गया था। अब मित्तल भी राघव चड्ढा के साथ आम आदमी पार्टी से बगावत करके भाजपा में शामिल हो गये हैं। आप प्रवक्ता द्वारा उठाया गया दूसरा दिलचस्प मुद्दा वह 'जेड प्लस' सुरक्षा थी, जो चड्ढा को उप-नेता के पद से हटाए जाने के बाद दी गई थी। प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि जब वह भाजपा के शीर्ष नेताओं से मिले थे, तो उन्होंने सुरक्षा की इस सर्वोच्च श्रेणी की मांग इस आधार पर की थी कि पार्टी के कार्यकर्ता उन पर शारीरिक हमला कर सकते हैं। तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में चल रहे विधानसभा चुनावों के नतीजों की भविष्यवाणी करने वाला चुनावी विश्लेषक इतिहास में अपना नाम दर्ज कराएगा। जहां केरल और असम में चुनाव काफी सीधे-सादे हैं, वहीं तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में चुनावी समीकरण इतने पेचीदा है कि चुनावी विश्लेषक भी उलझन में पड़ गए हैं। अभिनेता विजय के चुनावी मैदान में उतरने से द्रमुक और अन्नाद्रमुक के बीच चली आ रही पारंपरिक दो-ध्रुवीय लड़ाई अब त्रिकोणीय मुकाबले में बदल गई है, और चुनावी विश्लेषकों ने टेलीविजन पर यह स्वीकार किया है कि वे किसी नतीजे की भविष्यवाणी करने में हिचकिचा रहे हैं। हालांकि, सबसे ज्यादा उलझाने वाला चुनाव पश्चिम बंगाल में हो रहा है, जहां चुनाव आयोग ने जल्दबाजी और लापरवाही भरे 'एसआईआर' (मतदाता सूची संशोधन) अभियान के जरिए स्थिति को और भी ज्यादा अस्पष्ट बना दिया है, जिसके चलते मतदाता सूची से करोड़ों नाम हटा दिए गए हैं। 29 अप्रैल के एग्जिट पोल देखना दिलचस्प होगा। कौन सा पोलस्टर, खासकर पश्चिम बंगाल के मामले में, जोखिम उठाने की हिम्मत करेगा?

राजनीति में अहंकार का कोई स्थान नहीं

> कुछ भी हो, राजनेताओं को भाषा की मर्यादा का ख्याल तो रखना ही चाहिए। तभी वरिष्ठ राजनेता नई पीढ़ी के राजनेताओं को राजनीति का सही पाठ पढ़ा और राजनीतिक शुचिता को भी महत्व दे पाएंगे। राजनीति में स्वयं को ईमानदार और दूसरों को पापी साबित करने की प्रवृत्ति बढ़ रही है, जो राजनीति के मूल चरित्र को कठघरे में खड़ा कर रही है। इस दौर में मुद्दों पर बात कम हो गई है और व्यक्तिगत बातों पर ज्यादा ध्यान केन्द्रित किया जा रहा है।

हाल ही में 5 राज्यों के विधानसभा चुनावों में जुबानी तीर भी खूब चले। जुबानी तीर जब भाषा की मर्यादा लांघ जाएं तो राजनेताओं को यह सोचने की जरूरत है कि हम किस दिशा में जा रहे हैं। देश और दुनिया में पिछले 10 साल से राजनीति का स्तर गिरता जा रहा है। लगातार भाषा की मर्यादाएं लांघी जा रही हैं। हाल ही में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने तमिलनाडु में प्रधानमंत्री को कथित तौर पर आतंकवादी कहा। हालांकि बाद में उन्होंने सफाई देते हुए कहा था कि प्रधानमंत्री मोदी लोगों और राजनीतिक पार्टियों को डरा रहे हैं। मैंने कभी नहीं कहा कि वे आतंकवादी हैं। ई.डी., आयकर विभाग और सी.बी.आई. छापेमारी कर रहे हैं। चुनाव आयोग ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। भारतीय जनता पार्टी ने प्रधानमंत्री को आतंकी कहने के मामले में चुनाव आयोग से खरगे की शिकायत की थी। इसके बाद महाराष्ट्र के मंत्री नीतेश राणे ने कहा कि इस देश में सिर्फ एक आतंकवादी है और वो है राहुल गांधी, जो पाकिस्तान की भाषा बोलता है। इसके साथ ही एक चुनावी रैली में गृहमंत्री अमित शाह ने भी ममता बनर्जी के लिए गलत लहजे में बात की। अगर हम पिछले 4-5 महीने के राजनेताओं के वक्तव्यों पर गौर करेंगे तो गंदी भाषा के अनेक उदाहरण सामने आ जाएंगे। सार्वजनिक जगहों पर यह गंदी भाषा वे लोग बोल रहे हैं, जो अपनी अपनी पार्टी में या फिर सरकार में जिम्मेदार पदों पर हैं। सवाल यह है कि क्या गंदी भाषा के बिना राजनीति नहीं हो सकती? मल्लिकार्जुन खरगे एक वरिष्ठ राजनेता हैं और देश की सबसे पुरानी पार्टी के अध्यक्ष हैं। क्या उन्हें प्रधानमंत्री को आतंकवादी कहना शोभा देता है? इस मुद्दे पर कांग्रेस के समर्थक यह कह सकते हैं कि भाजपा के लोग सोनिया गांधी और राहुल गांधी के बारे में अक्सर गंदी भाषा का इस्तेमाल करते रहते हैं। पं. नेहरू को भी बदनाम करने का कोई मौका नहीं छोड़ते। इसलिए अगर खरगे ने प्रधानमंत्री के बारे में गलत शब्द बोल दिया तो क्या हो गया। तो क्या इस आधार पर मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा प्रधानमंत्री को आतंकवादी कहना उचित है? निश्चित रूप से नहीं। अगर दूसरों के संस्कार ठीक नहीं, तो क्या हमें भी अपने संस्कार उन जैसे ही कर लेने चाहिए? निश्चित रूप से पं. नेहरू, सोनिया गांधी और राहुल गांधी के बारे में आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया जाता है। दूसरी तरफ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संबंध में भी आपत्तिजनक भाषा बरती जाती है। कई बार कांग्रेस भी भाजपा को स्वयं ही एक मुद्दा पकड़ा देती है और भाजपा कई दिनों तक उस पर उछल-कूद करती रहती है। सवाल यह नहीं कि किस राजनीतिक दल के नेता ने कब किस प्रकार की अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल किया, सवाल यह है कि अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल किया ही क्यों गया? इस दौर में राजनेता जोश और अतिरेक में आकर राजनीति की मूल भावना को तिलांजलि दे रहे हैं। राजनीति अपनी ठसक या हनक दिखाने का माध्यम बना दी गई है। राजनेताओं को यह समझना चाहिए कि राजनीति में अहंकार का कोई स्थान नहीं होता लेकिन इस दौर की राजनीति में राजनेताओं में अहंकार बढ़ता जा रहा है। यह बात भाजपा, कांग्रेस या फिर किसी एक दल की नहीं, सभी राजनेताओं के संस्कार की है। तो क्या आज की राजनीति संस्कारहीन हो गई है? कुछ भी हो, राजनेताओं को भाषा की मर्यादा का ख्याल तो रखना ही चाहिए। तभी वरिष्ठ राजनेता नई पीढ़ी के राजनेताओं को राजनीति का सही पाठ पढ़ा और राजनीतिक शुचिता को भी महत्व दे पाएंगे। राजनीति में स्वयं को ईमानदार और दूसरों को पापी साबित करने की प्रवृत्ति बढ़ रही है, जो राजनीति के मूल चरित्र को कठघरे में खड़ा कर रही है। इस दौर में मुद्दों पर बात कम हो गई है और व्यक्तिगत बातों पर ज्यादा ध्यान केन्द्रित किया जा रहा है। इस सारी प्रक्रिया में सबसे दुखद यह है कि धीरे-धीरे राजनीति में नफरत की भावना बढ़ती जा रही है। इस दौर में साम्प्रदायिक राजनीति को ही असली राजनीति समझ लिया गया है। यही कारण है कि धर्म के नाम पर राजनीति में इंसानियत खत्म होती जा रही है। राजनीति के इस नकारात्मक भाव के लिए आम जनता में भी कोई हलचल या गुस्सा नहीं है। आम जनता ने इसे ही अपनी नियति समझ लिया है, बल्कि कई बार तो आम जनता राजनीति की बदलती धारा में स्वयं ही शामिल हो जाती है। यही कारण है कि इस दौर में मूल समस्याओं के लिए होने वाले आन्दोलन कमजोर हो गए हैं। कुछ कुटिल राजनेता और समाज के कुछ ठेकेदार मिलकर एक ऐसा वातावरण बना रहे हैं, जिससे समाज के विभिन्न वर्गों और धर्मों के लोगों के बीच आपसी विश्वास कम हुआ है। सवाल यह है कि राजनीति की यह बदलती प्रवृत्ति क्या भविष्य में हमें अंधकार की तरफ धकेल रही है? ऐसे ही अनेक प्रश्नों पर गंभीरता के साथ चिंतन का समय अब आ गया है।

रोहित कौशिक

सम्पादकीय...

लोकतंत्र में हर व्यक्ति को अपनी राय रखने और अपने रास्ते चुनने का अधिकार

सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे का हालिया बयान भारतीय राजनीति में एक बड़े घटनाक्रम की ओर इशारा करता है, जहां आम आदमी पार्टी (आप) के भीतर असंतोष खुलकर सामने आता दिख रहा है। उन्होंने स्पष्ट तौर पर कहा कि राघव चड्ढा और अन्य राज्यसभा सांसद पार्टी नहीं छोड़ते, यदि पार्टी सही रास्ते पर चल रही होती। यह टिप्पणी केवल एक व्यक्तिगत राय नहीं, बल्कि उस व्यापक राजनीतिक संकट की झलक है, जिससे आप इस समय गुजरती दिख रही है। दरअसल, राघव चड्ढा और छह अन्य सांसदों का पार्टी से इस्तीफा देकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होना आप के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है। यह वही पार्टी है, जिसकी नींव 2012 में भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन के दौरान पड़ी थी, जिसमें खुद अन्ना हजारे की केंद्रीय भूमिका रही थी। उस समय अरविंद केजरीवाल और उनके सहयोगियों ने साफ-सुथरी राजनीति का वादा किया था, जिससे देशभर में एक नई उम्मीद पैदा की थी। अन्ना हजारे के बयान में सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उन्होंने इस टूट का सीधा कारण पार्टी नेतृत्व को ठहराया। उनका कहना है कि अगर पार्टी सही दिशा में काम कर रही होती, तो इतने बड़े स्तर पर नेता उसे छोड़कर नहीं जाते। यह आरोप न केवल आप के आंतरिक लोकतंत्र पर सवाल उठाता है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि पार्टी के भीतर विचारों और नेतृत्व के बीच संतुलन बिगड़ चुका है। दिल्ली में हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में राघव चड्ढा और संदीप पाठक ने अपने इस्तीफे की घोषणा करते हुए संकेत दिया कि पार्टी में अब वह माहौल नहीं बचा, जिसमें स्वतंत्र रूप से काम किया जा सके। चड्ढा ने यह भी दावा किया कि राज्यसभा में आप के लगभग दो-तिहाई सदस्य पार्टी छोड़ चुके हैं और अब एक अलग गुट के रूप में काम करेंगे। यह दावा अगर पूरी तरह सही है, तो यह पार्टी के संगठनात्मक ढांचे के लिए गंभीर चुनौती है। इस पूरे घटनाक्रम को केवल एक राजनीतिक दल के अंदरूनी संकट के रूप में नहीं देखा जा सकता। यह उस बड़े सवाल को भी सामने लाता है कि क्या नई राजनीति के नाम पर बनी पार्टियां समय के साथ उन्हीं समस्याओं से ग्रस्त हो जाती हैं, जिनके खिलाफ वे खड़ी होती हैं। आप की शुरुआत एक आंदोलन के रूप में हुई थी, जहां पारदर्शिता, जवाबदेही और जनभागीदारी को प्राथमिकता दी गई थी। लेकिन अब यदि उसी पार्टी के नेता यह महसूस कर रहे हैं कि उन्हें अपनी बात रखने का अवसर नहीं मिल रहा, तो यह उसकी मूल विचारधारा पर प्रश्नचिह्न लगाता है। अन्ना हजारे का यह भी कहना था कि लोकतंत्र में हर व्यक्ति को अपनी राय रखने और अपने रास्ते चुनने का अधिकार है। उनके इस बयान में एक संतुलन भी दिखाई देता है—वह नेताओं के निर्णय का सम्मान करते हैं, लेकिन साथ ही यह भी संकेत देते हैं कि समस्या कहीं न कहीं पार्टी के भीतर ही है। यह एक तरह से आप नेतृत्व के लिए चेतावनी भी है कि अगर समय रहते सुधार नहीं किया गया, तो पार्टी को और भी बड़े नुकसान का सामना करना पड़ सकता है।वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में यह घटनाक्रम इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह दिखाता है कि भारतीय राजनीति में स्थायित्व और विचारधारा का संतुलन बनाए रखना कितना कठिन है।

खाद्य प्रसंस्करण: किसानों की आय युवाओं के रोजगार और आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश की नई पहचान

बी0एल0 यादव, से0नि0 सहायक निदेशक।

उत्तर प्रदेश में कृषि केवल जीविका का साधन नहीं बल्कि अर्थव्यवस्था की मजबूत आधारशिला है। उत्तर प्रदेश न केवल देश का सबसे बड़ा कृषि उत्पादक राज्य है, बल्कि विविध फसलों, फल, सब्जियों, दुग्ध उत्पादन और पशुपालन के क्षेत्र में भी अग्रणी भूमिका निभाता है। इसी मजबूत आधार को और सुदृढ़ बनाने के लिए राज्य सरकार खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र को नई दिशा और गति दे रही है। उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 के माध्यम से किसानों, युवाओं और उद्यमियों के लिए आय और रोजगार के अवसर सृजित हो रहे हैं। यह पहल न केवल कृषि उत्पादों का मूल्य बढ़ा रही है, बल्कि 'फर्म से फोर्क तक' एक सशक्त आधुनिक और पारदर्शी आपूर्ति श्रृंखला भी तैयार कर रही है खाद्य प्रसंस्करण आज वह क्षेत्र बन चुका है, जहां किसान अपनी उपज का बेहतर मूल्य प्राप्त कर सकते हैं और युवा रोजगार के साथ-साथ उद्यमिता की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। पहले जहां किसान अपनी उपज को कच्चे रूप में बेचने को मजबूर होते थे, वहीं अब प्रसंस्करण के माध्यम से उसी उत्पाद को मूल्यवर्धित कर कई गुना अधिक आय अर्जित कर रहे हैं। टमाटर से सॉस, आम से जूस और पल्प गेहूं से पैकेज्ड उत्पाद, दूध से पनीर और अन्य डेयरी उत्पाद बनाकर बाजार में बेहतर कीमत प्राप्त की जा रही है। राज्य सरकार द्वारा दी जा रही सब्सिडी और विभिन्न प्रकार की वित्तीय सहायता योजनाएं इस क्षेत्र को और अधिक आकर्षक बना रही हैं। पूंजी निवेश पर अनुदान, स्टाम्प शुल्क में छूट, बिजली दरों में रियायत और प्रशिक्षण सुविधाएं उद्यमियों को प्रोत्साहित कर रही हैं। इसके साथ ही सरकार द्वारा व्यापक स्तर पर जागरूकता अभियान भी चलाए जा रहे हैं, जिससे अधिक से अधिक लोग इस क्षेत्र में निवेश और उद्यम स्थापना के लिए प्रेरित हो रहे हैं। सरकार की नीति का एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों को कच्चे माल की आपूर्ति स्थानीय किसानों और दुग्ध उत्पादकों से सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इससे किसानों की आय में सीधा इजाफा हो रहा है और स्थानीय स्तर पर आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिल रहा है। इसके साथ ही इकाइयों को उच्च गुणवत्ता और मानकों का पालन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक प्रमाण पत्र और उत्पादन क्षमता के मानदंड भी निर्धारित किए गए हैं, जिससे उद्योग में पारदर्शिता और गुणवत्ता बनी रहे। नीति के अंतर्गत फल एवं सब्जी प्रसंस्करण, रेडी.टू.ईट और रेडी.टू.कुक उत्पाद, मसाले, मशरूम, शहद, सोयाबीन, कोको उत्पाद, गुड़ आधारित वैल्यू एडेड उत्पाद, फ्रूट जूस, डेयरी उत्पाद, कार्बोनेटेड पेय पदार्थ और मछली चारा निर्माण जैसे विविध क्षेत्रों को भी शामिल किया गया है। यह विविधता उत्तर प्रदेश को खाद्य प्रसंस्करण के एक बड़े हब के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

सफलता की प्रेरक कहानियां-

इस नीति का सकारात्मक प्रभाव अब जमीन पर स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। बड़ी कंपनियों के साथ-साथ छोटे और मध्यम स्तर के उद्यमी भी इस क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। कॉर्पोरेट क्षेत्र से सेवानिवृत्त विशेषज्ञ, उच्च शिक्षित युवा और विदेशों से लौटे प्रोफेशनल्स उत्तर प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में निवेश कर रहे हैं। जनपद अमेठी के इंजीनियर एस0के0 तिवारी इसका उत्कृष्ट उदाहरण हैं। 42 वर्षों के समृद्ध अनुभव के साथ उन्होंने स्टार्च उत्पादन से संबंधित प्रोजेक्ट की स्थापना का निर्णय लिया है, जिसका उपयोग बिस्कुट और टॉफी जैसे उत्पादों में किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट रूप से स्वीकार किया कि राज्य सरकार की आकर्षक सब्सिडी और अनुकूल नीति ने उन्हें इस निवेश के लिए प्रेरित किया। उनकी तकनीकी दक्षता और अनुभव से न केवल उद्योग को मजबूती मिली, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर भी सृजित हो रहे हैं। इसी प्रकार जनपद बुलंदशहर के युवा उद्यमी मुकुल भूषण गुप्ता द्वारा स्थापित श्याकुंभरी ऑर्गेनिक एग्रिजम एलएलपी भी एक प्रेरणादायक उदाहरण है। उन्होंने तिल, मूंगफली, गेहूं और दालों के प्रसंस्करण, ग्रेडिंग और पैकेजिंग से संबंधित परियोजना में निवेश किया है। 20 वर्षों से अधिक के अनुभव के साथ उन्होंने इस क्षेत्र में कदम रखकर यह साबित किया है कि खाद्य प्रसंस्करण न केवल लाभदायक है, बल्कि यह किसानों और उद्योग के बीच एक मजबूत कड़ी भी है।

महिलाओं और स्वयं सहायता समूहों की भूमिका

खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी भी तेजी से बढ़ रही है। स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के माध्यम से महिलाएं पापड़, अचार, मसाले, बेकरी उत्पाद, जैम, जेली और अन्य खाद्य उत्पादों का निर्माण कर रही हैं। यह उत्पाद स्थानीय बाजारों के साथ-साथ ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर भी अपनी पहचान बना रहे हैं। महिलाओं की इस भागीदारी से न केवल उनकी आय में वृद्धि हो रही है, बल्कि वे आत्मनिर्भर भी बन रही हैं। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई ऊर्जा मिल रही है और सामाजिक स्तर पर महिलाओं का सम्मान भी बढ़ रहा है।

कोल्ड स्टोरेज और लॉजिस्टिक्स का विस्तार

खाद्य प्रसंस्करण को बढ़ावा देने के लिए कोल्ड स्टोरेज वेयरहाउसिंग और लॉजिस्टिक्स की व्यवस्था को भी मजबूत किया जा रहा है। फल और सब्जियों के खराब होने की समस्या को कम करने के लिए, आधुनिक कोल्ड चेन सिस्टम विकसित किए जा रहे हैं, इससे किसानों को अपनी उपज सुरक्षित रखने और उचित समय पर बेहतर मूल्य प्राप्त करने में मदद मिल रही है। सरकार द्वारा फूड पार्क, मेगा फूड पार्क और एग्री लॉजिस्टिक्स हब की स्थापना पर भी जोर दिया जा रहा है, इससे उत्पादन से लेकर वितरण तक की पूरी प्रक्रिया को व्यवस्थित और कुशल बनाया जा रहा है।

आर्थिक बदलाव की मजबूत धुरी

खाद्य प्रसंस्करण के विस्तार से प्रदेश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिल रही है। किसान अपनी उपज को सीधे बाजार में बेचने के बजाय मूल्यवर्धित उत्पादों के रूप में बेहतर दाम प्राप्त कर रहे हैं, इससे उनकी आय में स्थायी वृद्धि हो रही है और बिचौलियों पर निर्भरता कम हो रही है। युवाओं के लिए यह क्षेत्र रोजगार और स्वरोजगार का बड़ा अवसर बनकर उभरा है। आधुनिक तकनीक, स्टार्टअप संस्कृति और सरकारी सहयोग के चलते आज का युवा नौकरी मांगने वाला नहीं बल्कि रोजगार देने वाला बन रहा है।

निर्यात और वैश्विक पहचान की ओर कदम

खाद्य प्रसंस्करण के माध्यम से उत्तर प्रदेश के उत्पाद अब अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी अपनी पहचान बना रहे हैं। प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों की गुणवत्ता, पैकेजिंग और ब्रांडिंग में सुधार के कारण निर्यात की संभावनाएं तेजी से बढ़ी हैं, इससे प्रदेश को अर्थव्यवस्था को विदेशी मुद्रा अर्जित करने का अवसर भी मिल रहा है।

विकसित भारत की ओर एक मजबूत कदम

उत्तर प्रदेश सरकार की यह पहल 'आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत' के संकल्प को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। खाद्य प्रसंस्करण के माध्यम से न केवल किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में कार्य हो रहा है, बल्कि प्रदेश को औद्योगिक और आर्थिक दृष्टि से भी नई ऊंचाइयों पर ले जाया जा रहा है। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग आज उत्तर प्रदेश की विकास यात्रा का एक महत्वपूर्ण आधार बन चुका है।

यह क्षेत्र किसानों की समृद्धि, युवाओं के रोजगार और उद्योग के विस्तार को एक साथ आगे बढ़ा रहा है। आने वाले समय में यह क्षेत्र न केवल प्रदेश बल्कि पूरे देश की अर्थव्यवस्था को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। खाद्य प्रसंस्करण आज केवल एक उद्योग नहीं, बल्कि किसानों की

बंगाल : घुसपैठ और महिला सुरक्षा को मुद्दा

प्रधानमंत्री रहते अटल बिहारी वाजपेयी ने कोलकाता की यात्रा की थी। उस दौर पर उन्होंने तत्कालीन रेल मंत्री के कालीघाट स्थित घर का दौरा किया था। तब उन्होंने मंत्री की मां से उलाहना दिया था, आपकी बेटी मुझे बहुत परेशान करती है। कहना न होगा कि वह शख्सियत डेढ़ दशक से पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री है। ममता बनर्जी लड़ाका है। धूल से उठकर राजनीतिक आसमान का तारा अगर वे बनी हुई है, उसकी वजह उनका संघर्षशील व्यक्तित्व ही है। लेकिन कोलकाता के मैदान में इस बार यह योद्धा फंसा नजर आ रहा है। भारतीय जनता पार्टी जिस तरह उनसे दो-दो हाथ कर रही है, निहित तौर पर उसके पीछे नरेंद्र मोदी की अगुआई में बंगाल की धूल में लगातार परिश्रम कर रहे बीजेपी के कार्यकर्ता हैं। आज अगर बंगाली की सियासी लड़ाई आर-पार के दौर में आ चुकी है तो इसके पीछे अमित शाह की रणनीति काम कर रही है। साल 2021 के विधानसभा चुनाव नतीजे आने के बाद कहा गया था कि बीजेपी चुनाव जीतते-जीतते हार गई है। ममता का संघर्ष बीजेपी की रणनीतियों पर भारी पड़ गया था। पांच साल बाद कोलकाता के राइटर्स बिल्डिंग पर कब्जे को लेकर सेनाएं सज गई हैं। लेकिन इस बार हालात बदले नजर आ रहे हैं। इसकी वजह अमित शाह का चुनाव प्रचार की कमान खुद संभालना है, जिन्होंने 170 सीटें जीतने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय कर रखा है। पिछले विधानसभा चुनाव में पिछड़ने के बावजूद अमित शाह ने राज्य की यात्राएं जारी रखीं और इसके जरिए अपने कार्यकर्ताओं को उत्साहित बनाए रखा। इस बार बीजेपी अगर सत्ता की प्रबल दावेदार के रूप में उभरी है तो इसकी बड़ी वजह बूथ प्रबंधन तो है ही, घुसपैठ और महिला सुरक्षा को मुद्दा बनाना भी है। बंगाल के बारे में कहा जाता है कि वह जो आज सोचता है, पूरा देश उस पर बाद में आगे बढ़ता है। शक्ति पूजा की संस्कृति वाले राज्य में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर ममता के राज में कई बार सवाल उठे। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कालेज में रेजिडेंट डाक्टर से दुष्कर्म और बर्बर हत्या के बाद अंग्रेजों की पहली राजधानी का भद्रलोक उद्वेलित हो उठा। अभी इसकी आंच ठंडी पड़ी नहीं कि कस्बा लॉ कालेज की छात्रा के साथ बलात्कार हुई। इसके पहले संदेशखाली में हुई कथित तौर पर यौन हिंसा और ज़मीन हड़पने के मामलों से पश्चिम बंगाल का समाज उद्वेलित रहा। अमित शाह के बार-बार के बंगाल दौरे के चलते बीजेपी के कार्यकर्ताओं ने महिला सुरक्षा के मसले को कभी धीमा नहीं पड़ने दिया। इन्हीं वजहों से महिला सुरक्षा को लेकर तृणमूल कांग्रेस सवालों के घेरे में आ गई। राष्ट्रीय क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो की 2023 की रिपोर्ट भी राज्य में महिलाओं के खिलाफ बढ़ती हिंसा की ही तस्दीक करती है, जिसके अनुसार, राज्य में महिलाओं के खिलाफ अपराध के 34,691 मामले दर्ज किए गए और एसिड हमलों में इसका हिस्सा सबसे ज्यादा करीब 27.5 प्रतिशत रहा। बीजेपी को महिला सुरक्षा को बड़ा मुद्दा बनाने में ममता बनर्जी के एक बयान से भी मिला, जिसमें उन्होंने कहा था कि महिलाओं को शाम सात बजे के बाद बाहर नहीं निकलना चाहिए। बीजेपी ने महिला सुरक्षा के मुद्दे पर आरजी कर की पीड़िता की मां मंजू देबनाथ को पनिहाटी से उम्मीदवार बनाकर एक तरह से राज्य की महिलाओं को संदेश दे दिया है, संदेश यह कि वह उनकी सुरक्षा के लिए संजीदा है। बीजेपी ने महिलाओं को लुभाने के लिए दुर्गा सुरक्षा दस्ते बनाने और नौकरियों में महिलाओं को 33 फीसद आरक्षण देने का भी वादा किया है। इसके साथ ही महिलाओं को मध्य प्रदेश, हरियाणा और महाराष्ट्र की तरह प्रतिमाह तीन हजार रूपए देने का वादा किया है। यहां याद रखना चाहिए कि ममता सरकार हर महीने महिलाओं को डेढ़ हजार रूपए दे रही है। साल 2021 में राज्य में तृणमूल कांग्रेस को 213 सीटें और करीब 44 प्रतिशत वोट मिले थे, जबकि बीजेपी को 38 प्रतिशत वोट के साथ 77 सीटों पर संतोष करना पड़ा था। हालांकि 2016 के विधानसभा चुनावों के मुकाबले देखें तो पार्टी ने तीन सीट और करीब 28 प्रतिशत वोट की तुलना में बड़ी छलांग लगाई। अमित शाह ने इसी बुनियाद को मजबूत करते हुए आगे बढ़ने की रणनीति बनाई। इसके तहत उन्होंने दो बातों पर जोर दिया। उन्होंने उन गढ़ों को और मजबूत बनाने की रणनीति बनाई, जहां पहले से ही पार्टी मजबूत स्थिति में है। इसके साथ ही उन चुनाव क्षेत्रों में आधार बढ़ाने की कोशिश तेज की, जहां 2021 में वह बहुत कम अंतर से हारी थी। इसके साथ ही अमित शाह ने पार्टी के भीतर की गुटबाजी को भी सुलझाने की कोशिश की। राज्य में पार्टी के अध्यक्ष रहे दिलीप घोष के बारे में माना जा रहा था कि वे नाखुश हैं। अमित शाह ने उनसे मुलाकात करके तृणमूल से आए शुभेंदु अधिकारी से बीच उनके मतभेदों को दूर करने की कोशिश की। ममता बनर्जी ने पिछली बार बंगाली माटी और मानुष यानी स्थानीय को मुद्दा बनाया था। उन्हें इस मुद्दे से पिछली बार मदद भी मिली। इस बार भी ममता विपक्ष यानी बीजेपी के नेताओं के बाहरी होने का आरोप लगा रही हैं। इसके जवाब स्वरूप अमित शाह ने ऐलान किया है कि अगर पश्चिम बंगाल में पार्टी सत्ता में आई तो राज्य का मुख्यमंत्री 'धरती का बेटा' यानी स्थानीय व्यक्ति ही बनेगा। पार्टी ने इस बार घुसपैठ को भी बड़ा मुद्दा बनाया है। राज्य में विशेष पुनरीक्षण अभियान के दौरान राज्य में नब्बे लाख वोटरों के नाम हटाने को लेकर ना सिर्फ सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस समेत समूचा गैर बीजेपी दल मुद्दा बना रहे हैं। हालांकि अमित शाह चुनाव आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान यानी एसआईआर के कदम को सही बताया है। बीजेपी यहीं नहीं रुकी है, उसने वादा किया है कि अगर वह सत्ता में आई तो राज्य से अवैध घुसपैठियों की पहचान करेगी और उन्हें बाहर करेगी। इसके साथ ही पार्टी ने सत्ता में आने के पैंतालीस दिनों के अंदर सीमा पर बाड़ लगाने के लिए केंद्र सरकार को जमीन देगी। बीजेपी ने इसके जरिए बांग्लादेश की ओर हो रही पशु तस्करी को रोकने का भी ऐलान किया है। राज्य में भ्रष्टाचार को भी बड़ा मुद्दा बनाने में बीजेपी कामयाब रही है। इसमें अतीत में हुई भ्रष्टाचार की घटनाओं ने मदद की है। यहां का शिक्षक भर्ती घोटाला रहा, जिसकी सुनवाई करते हुए कलकत्ता हाईकोर्ट ने 26 हजार नौकरियां रद्द कर दी थी। इसके साथ ही राशन और मिड-डे मील, मनरेगा , जॉब कार्ड घोटाला भी सुर्खियां बनता रहा है। बीजेपी ने इस बार इसे भी मुद्दा बनाया है। इन मामलों में तृणमूल के बीस से ज्यादा नेताओं को जेल भेजा गया। हालांकि तृणमूल कांग्रेस इसे केंद्र की बदले की कार्रवाई बताती रही है। यही वजह है कि पार्टी ने दागी नेताओं को टिकट भी दिया है। इसकी वजह से भद्रलोक के बीच तृणमूल को सवालों के घेरे में लाने की पुरजोर कोशिश अमित शाह और उनकी बीजेपी कर रही है। ऐसे ढेरों मामले हैं, जिनकी वजह से बीजेपी सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस को जबरदस्त चुनौती देती नजर आ रही है। इसका मतलब यह नहीं है कि तृणमूल कांग्रेस ने सरेंडर कर दिया है। ममता की अगुआई में पार्टी अब भी पुरजोर तरीके से मैदान में खड़ी है। इस वजह से इस बार भी मुकाबला सीधे तौर पर ममता बनाम बीजेपी ही नजर आ रहा है। हालांकि सही तौर पर कहें तो इस बार मुकाबला ममता बनाम अमित शाह है। इस जंग में अमित शाह सफल होंगे या ममता एक बार फिर उन्हें मात देने में कामयाब होंगी, यह तो चार मई को मतगणना के बाद ही पता चल पाएगा।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक विजय कुमार शास्त्री ने वन्दना ऑफसेट प्रिन्टर्स, ए-9, सराय पीपलथला एक्स. दिल्ली-33, से मुद्रित कर कार्यालय, बी-2/370, सुल्तानपुरी, दिल्ली-86 से प्रकाशित किया सम्पादक : विजय कुमार शास्त्री, मो : 09582093548 समाचार पत्र में प्रकाशित सामग्री से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं विवादास्पद केवल दिल्ली कोर्ट में होंगे। (DELHIN/2010/33862)

उत्साहपूर्वक सुना गया प्रधानमंत्री मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम

पडरौना, कुशीनगर।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' का 133वां एपिसोड रविवार को नगरपालिका परिषद पडरौना में बड़े उत्साह, अनुशासन और जनभागीदारी के साथ सुना गया। कार्यक्रम का आयोजन नगरपालिका परिषद अध्यक्ष विनय जायसवाल के नेतृत्व में उनके आवास पर किया गया, जहां बड़ी संख्या में नागरिकों ने उपस्थित होकर प्रधानमंत्री के विचारों को सुना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में सिविल न्यूक्लियर प्रोग्राम, ग्रीन एनर्जी, कृषि क्षेत्र, बुद्ध पूर्णिमा, बीटिंग रिट्रीट, पर्यावरण संरक्षण, प्राकृतिक जीवों के संरक्षण, उत्तर-पूर्वी राज्यों की प्राकृतिक सुंदरता, बांस की खेती, तकनीक और नवाचार जैसे अनेक समसामयिक विषयों पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि देश की युवा शक्ति भारत का भविष्य है और युवाओं की ऊर्जा, नवाचार क्षमता तथा सामाजिक जागरूकता देश की प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। प्रधानमंत्री ने देशवासियों को नई ऊर्जा, नए संकल्प और नई उम्मीदों के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया।

कार्यक्रम के उपरांत नगरपालिका परिषद अध्यक्ष विनय जायसवाल ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में भारत अपनी स्वर्णिम विकास यात्रा पर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि देश कृषि, रक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य, तकनीक, खेल और अंतरिक्ष जैसे सभी प्रमुख क्षेत्रों में तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है तथा वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए संकल्पित है। उन्होंने कहा कि पश्चिमी एशिया में युद्ध जैसे चुनौतीपूर्ण वैश्विक हालात के बावजूद भारत में ईंधन की पर्याप्त उपलब्धता और मूल्य नियंत्रण केंद्र सरकार की सफल विदेश नीति और मजबूत नेतृत्व का प्रमाण है। इसके लिए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नेतृत्व क्षमता की सराहना की। इस अवसर पर अध्यक्ष प्रतिनिधि मनीष 'बुलबुल' जायसवाल, संतोष चौहान, आकाश वर्मा, सनी मिश्र, भरत चौधरी, अनिल पाण्डेय, अभय मारोदिया, सर्वेश उपाध्याय, राजेश जायसवाल, अभिनव चौरसिया, जयप्रकाश मद्धेशिया, मदन चौधरी, अभय तिवारी, राजेश कुशवाहा, काशी राजभर, अविनाश कसौधन, शिवगोपाल कुशवाहा, मुरारी पटेल, बबलू शर्मा, गोरख गुप्ता सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक एवं आमजन उपस्थित रहे।

बेटी की शादी कराकर लौट रहा था परिवार, ट्रेलर से टकराई कार; पांच की मौत

गोरखपुर। यूपी के मऊ जनपद के दोहरीघाट थाना क्षेत्र के कुसुम्हा-बसारथपुर के पास वाराणसी-गोरखपुर फोरलेन पर रात्रि लगभग 2.30 बजे मऊ की तरफ से आ रही एसयूवी डिवाइडर से टकरा कर दूसरी लेनपर ट्रेलर से टकरा गई। जिसमें रांची से पुत्री की शादी कर गोरखपुर लौट रहे पति-पत्नी-पुत्र और दो चालक समेत पांच की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद ट्रेलर चालक गाड़ी खड़ा कर फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला भेज दिया। वहीं ट्रेलर को कब्जे में लेकर थाने उठा लाई, जबकि एसयूवी को ट्रैक्टर से खिंचावाकर सड़क किनारे कर आवागमन बहाल कराया। गोरखपुर जनपद के खोराबार थाना क्षेत्र के रानीडीहा निवासी 53 वर्षीय विनय श्रीवास्तव पुत्र स्व. ठाकुर रमाशंकर लाल श्रीवास्तव अपनी बेटी विमन्सा की शादी के लिए झारखंड के रांची गए थे। 20 अप्रैल को विवाह संपन्न होने के बाद अन्य रिश्तेदार वहां से वापस लौट आए थे। जबकि विनय श्रीवास्तव, 58 वर्षीय पत्नी अर्चना श्रीवास्त, इकलौते बेटे 27 वर्षीय कृतार्थ श्रीवास्तव के साथ रुक गए थे। जो शनिवार को किराए के एसयूवी से गोरखपुर घर लौट रहे थे। वाहन को बिहार गया जनपद के मोहनपुर थाना क्षेत्र के मटीहानि निवासी चालक 28 वर्षीय पुरुषोत्तम कुमार पुत्र रामप्यारे यादव चला रहा था, जबकि दूसरा चालक 20 वर्षीय नितीश पुत्र नन्दलाल पीछे बैठा था। परिवार के साथ उनका पालतू कुत्ता भी मौजूद था।

शनिवार रात करीब 2:30 बजे जैसे ही वाहन कुसुम्हा बशारतपुर के पास पहुंचा, चालक को झपकी आ गई। अनियंत्रित एसयूवी पहले डिवाइडर से टकराई और फिर दूसरी लेन में जाकर ट्रेलर से भीषण भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि एसयूवी का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और सभी सवार उसमें फंस गए। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार त्रिपाठी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने करीब ढाई घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद स्कॉर्पियो को काटकर सुबह पांच बजे सभी पांचों शवों को बाहर निकाला। इसके बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया।

रिजर्व पुलिस लाइन महराजगंज में पासिंग आउट (दीक्षांत) परेड सम्पन्न

महराजगंज।

रिजर्व पुलिस लाइन महराजगंज के परेड ग्राउंड में रिक्रूट पुरुष आरक्षियों की प्रशिक्षण पूर्ण होने के उपरांत पासिंग आउट परेड (दीक्षांत समारोह) का आयोजन हुआ। जिलाधिकारी संतोष कुमारशर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके आगमन पर पुलिस अधीक्षक महराजगंज ने पुष्प गुच्छ भेंट कर शिष्टाचार मुलाकात की। प्रतिसार निरीक्षक पुलिस लाइन द्वारा बैच लगाकर स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि जिलाधिकारी ने परेड की सलामी ली। इस दौरान द्वारा टोली/वार्ड, टर्न-आउट एवं समग्र प्रस्तुति का सूक्ष्म निरीक्षण किया गया। रिक्रूट आरक्षियों के उत्कृष्ट टर्न-आउट, अनुशासन, कदमताल एवं समन्वय की सराहना करते हुए इसे उच्च स्तरीय प्रशिक्षण का परिणाम बताया गया। दीक्षांत परेड के दौरान विभिन्न अन्तः एवं वाह्य विषयों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले रिक्रूट आरक्षियों को सम्मानित किया गया। अन्तः विषय में प्रथम रिआ रजनीश पाण्डेय व वाह्य विषय में प्रथम रिआ विपिन पाण्डेय को सम्मानित किया गया। सर्वांग सर्वोत्तम रिक्रूट आरक्षी

कुल 396 रिक्रूट आरक्षियों ने ली दीक्षांत परेड की शपथ

रजनीश पाण्डेय (1247/1500 अंक) अन्य प्रमुख श्रेणियों शारीरिक प्रशिक्षण, शस्त्र प्रशिक्षण, फील्ड क्राफ्ट, भीड़ नियंत्रण, यातायात, योगासन, आतंकवाद/डकैती निरोधक एवं विशेष तलाशी अभियान में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले रिक्रूट्स को पुरस्कृत किया गया। प्रथम परेड कमांडर रिआ विशाल सिंह, द्वितीय परेड कमांडर रिआ विपिन पाण्डेय, तृतीय परेड कमांडर रिआ संदेश प्रकाश, शपथ ग्रहण दीक्षांत परेड के दौरान रिक्रूट पुरुष आरक्षियों को देश की एकता, अखंडता एवं संविधान के प्रति निष्ठा की शपथ दिलाई गई, जिससे वे अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा एवं ईमानदारी से कर सकें। जिलाधिकारी ने रिक्रूट को संबोधित करते हुए कहा कि पुलिस की भूमिका आज बेहद विवाधिकृत और महत्वपूर्ण हो चुकी है। उन्होंने कहा कि आज कोई भी महत्वपूर्ण आयोजन बिना पुलिस बल के संभव नहीं है। साथ ही पुलिस किसी आपात स्थिति में फर्स्ट रेस्पॉन्डर के रूप में कार्य करती है। उन्होंने कहा कि पुलिस परित्राणाय साधूनां विनाशाय च दुष्कृताम् कि भावना से कार्य करती है ताकि समाज में शांति व्यवस्था बनी रहे। जिलाधिकारी ने कहा कि पुलिस बल सर्वभूत हिते रता:% अर्थात समस्त प्राणियों (जीवों) के कल्याण और भलाई में निरंतर लगे रहने की भावना से काम करे। उन्होंने रिक्रूट को भी उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि आशा है आप सभी इस तरह से काम करेंगे कि पुलिस बल आप पर नाज कर सके। पुलिस अधीक्षक शक्ति मोहन अवस्थी ने रिक्रूट आरक्षियों को संबोधित करते हुए कहा कि, प्रशिक्षण के दौरान सीखे गए आत्मरक्षा कौशल, विधिक ज्ञान एवं अनुशासन को अब व्यवहारिक जीवन में लागू करना अत्यंत आवश्यक है। यह बैच पुलिस बल की कार्यक्षमता को और सुदृढ़ करेगा तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। जनसेवा एवं संवेदनशील पुलिसिंग रिक्रूट आरक्षियों को पीड़ित केंद्रित पुलिसिंग अपनाने हेतु प्रेरित किया गया, ताकि थाने पर आने वाले प्रत्येक फरियादी की समस्या का समाधान संवेदनशीलता एवं प्राथमिकता के साथ किया जा सके।

पुलिस बेड़े में शामिल हुईं 485 महिला जांबाज, पासिंग आउट परेड में दिखा अनुशासन का जज्बा

देवरिया।

रिजर्व पुलिस लाइन्स के परेड ग्राउंड में रविवार को खाकी का गौरवमयी अध्याय लिखा गया। कठिन प्रशिक्षण पूरा करने के बाद 485 रिक्रूट महिला कांस्टेबल विधिवत रूप से पुलिस बल का हिस्सा बन गईं। भव्य पासिंग आउट परेड में मुख्य अतिथि जिलाधिकारी दिव्या मित्तल ने परेड का निरीक्षण कर सलामी ली। इस दीक्षांत समारोह के साथ ही देवरिया, बहराइच और महाराजगंज की इन जांबाज बेटियों ने जनसेवा और राष्ट्र रक्षा की शपथ ली। परेड का नेतृत्व (फर्स्ट-इन-कमांड) विभा तिवारी ने किया, जबकि सेकेंड-इन-कमांड शत्रो और थर्ड-इन-कमांड किरन यादव रहीं। मैदान पर उतरीं 17 प्लाटूनों के सुसंगठित मार्च-पास्ट ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इन प्लाटूनों का नेतृत्व अर्पिता वर्मा, अल्का मौर्या, आकृति सिंह, सपना विजय कुंवर मौर्या, सेजल, ज्योति प्रजापति, अनू भारती, शीतल यादव, प्राची वर्मा, आस्था तिवारी, अंकिता यादव, अर्पिता पाण्डेय, राधा पटेल, सौम्या माधवी, मंजू गौड़, आकांक्षा सिंह और कीर्ति राय ने किया। प्रशिक्षण के दौरान विभिन्न विधाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली महिला आरक्षियों को जिलाधिकारी ने पुरस्कृत किया। इसमें रश्मि सिंह

को बाह्य कक्ष परीक्षा के कुल योग में सर्वांग सर्वोत्तम चुना गया। शारीरिक प्रशिक्षण में सविता यादव, शस्त्र प्रशिक्षण में स्वाति सिंह और भीड़ नियंत्रण में अंकिता तिवारी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। अंतःकक्ष विषयों में ललिता पाल ने नए कानूनों (भारतीय न्याय संहिता/नागरिक सुरक्षा संहिता) में श्रेष्ठता सिद्ध की, वहीं राधा सरोज ने संविधान व मानवाधिकार और अस्मिता पाण्डेय ने कंप्यूटर व साइबर क्राइम में शीर्ष स्थान पाया। काजल वर्मा को अंतःकक्ष परीक्षा के कुल योग में प्रथम पुरस्कार मिला। समारोह को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी दिव्या मित्तल ने कहा कि पुलिस

पुलिस लाइन्स में 17 प्लाटूनों का शानदार मार्च-पास्ट; जिलाधिकारी दिव्या मित्तल ने ली परेड की सलामी

बहराइच, महराजगंज और देवरिया की बेटियों ने पूरा किया कड़ा प्रशिक्षण, समाज सेवा और सुरक्षा की ली शपथ

बल में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी समाज के लिए सुरक्षा और विश्वास का प्रतीक है। उन्होंने रिक्रूट्स को कर्तव्यनिष्ठा और संवेदनशीलता के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया। पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर. शंकर ने प्रशिक्षण की सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए प्रशिक्षकों की मेहनत की सराहना की। श्रेष्ठ प्रशिक्षक के रूप में निरीक्षक अरविंद यादव (अंतःविषय), शशिकिरण कुशवाहा और मुकेश कुमार को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) आनंद कुमार पाण्डेय, एएसपी (दक्षिणी) सुनील कुमार सिंह, क्षेत्राधिकारी लाइन्स मनोज कुमार, सीओ नगर संजय कुमार रेड्डी, आरटीसी क्षेत्राधिकारी दीपशिखा वर्मा सहित सभी सर्किल अफसर और प्रतिसार निरीक्षक मौजूद रहे।

होमगार्ड भर्ती परीक्षा को लेकर डीएम-एसपी ने परखी सुरक्षा व्यवस्था

कुशीनगर। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा आयोजित ÷उत्तर प्रदेश होमगार्ड भर्ती परीक्षा-2025 शनिवार को जनपद कुशीनगर के सभी परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्ण एवं सुचारु रूप से संपन्न कराई गई। परीक्षा को निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर एवं पुलिस अधीक्षक केशव कुमार ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने बुद्ध इंटरमीडिएट कॉलेज, कुशीनगर परीक्षा केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने परीक्षा केंद्र पर लगे सीसीटीवी कैमरों, मेटल डिटेक्टर, अभ्यर्थियों की प्रवेश व्यवस्था, सुरक्षा जांच, पेयजल सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं की गहन समीक्षा की। अधिकारियों ने परीक्षा केंद्रों पर तैनात पुलिस बल एवं ड्यूटी में लगे कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि परीक्षा की शुचिता एवं पारदर्शिता बनाए रखने में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लागू की गई है तथा अनधिकृत प्रवेश पर सख्ती से रोक लगाने के निर्देश दिए गए हैं। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने बताया कि जिले के अन्य परीक्षा केंद्रों का भी लगातार निरीक्षण किया जा रहा है, ताकि परीक्षा पूरी तरह शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके। प्रशासन ने परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा एवं निगरानी के व्यापक इंतजाम सुनिश्चित किए हैं।

दिल्ली के द्वारका में गहराया जल संकट, 15 दिनों से बूंद-बूंद पानी को तरस रहे लोग

पश्चिमी दिल्ली। बढ़ते पारे के साथ ही दिल्ली की सर्वाधिक सुनियोजित उपनगरी द्वारका में जल संकट गहराने लगा है। लोगों का कहना है कि गर्मी की आहट से ही जलापूर्ति में कटौती शुरू हो गई थी, लेकिन पिछले 15 दिनों से जलापूर्ति में काफी ज्यादा कटौती हुई है। नतीजा यह हुआ कि लोग भूजल का इस्तेमाल करने को मजबूर हैं। जहां भूजल से काम नहीं चल पा रहा है वहां टैंकर के पानी से सीमित आवश्यकताएं पूरी की जा रही है। पिछली बार गर्मियों में दूषित जलापूर्ति ने हमलोगों से चैन छीन ली थी। कई लोग बीमार भी हुए थे, लेकिन इस बार पानी आ ही नहीं रहा है। जो पानी आ रहा है वह ऊंट के मुंह में जीरे के समान है। 15 दिनों से पानी नामवात्र का आ रहा है। सुबह में किसी तरह 45 मिनट के लिए आता है, उसमें भी प्रेशर काफी कम। टंकियों तक पानी चढ़ ही नहीं पाता। हमलोग शिकायत करते करते थक गए हैं, लेकिन समाधान नहीं हुआ। पीपल अपार्टमेंट में पानी की किल्लत नहीं थी। सोसाइटी में रोजाना सुबह शाम जलापूर्ति होती थी। सुबह दो घंटे और शाम के दो घंटे। लेकिन पारा जैसे ही चढ़ना शुरू हुआ, दो घंटे को एक घंटा किया गया और अब आधा घंटा हो गया है। इसमें भी नामवात्र का प्रेशर रहता है। पिछले दो दिन से तो सिर्फ कहने को पानी आ रहा है, प्रेशर इतना कम है कि पूरी सोसाइटी के कुछ हिस्से तक ही पानी पहुंच रहा है। लोग सोसाइटी परिसर में बने मंदिर में जहां पानी आ रहा है, वहां से बाल्टियों में भरकर पानी लेकर जाते हैं। उपनगरी द्वारका से सटे भरत विहार कालोनी में पानी की घोर किल्लत का लोग सामना कर रहे हैं। स्थानीय निवासी मणिदास प्रधान बताते हैं कि टैंकर के लिए जब जल बोर्ड अधिकारियों को काल किया जाता है तो बस आश्वासन देते हैं, पानी नहीं। अभी जब पानी की किल्लत का ऐसा हाल है तो बाद में क्या होगा, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। हमारे यहां पहले पानी की किल्लत नहीं थी। अब जल बोर्ड केवल इतना ही पानी दे पा रहा है कि हमारी 30 प्रतिशत जरूरतें पूरी हो रही हैं। हमलोग टैंकर खरीदकर पानी का इंतजाम करने को मजबूर हैं। निजी टैंकर पानी तो दे रहे हैं लेकिन उसका इस्तेमाल पीने के लिए नहीं किया जा सकता है। जल बोर्ड से शिकायत करने पर कहा जाता है कि हम क्या करें। जितना पानी वर्ष 2015 में द्वारका जल शोधन संयंत्र में आता था, उतना ही अभी भी आ रहा है। जबकि इन 11 वर्षों में उपनगरी की आबादी काफी बढ़ गई है। उपनगरी द्वारका में पानी की किल्लत कुछ सेक्टरों में है, जिसके समाधान की दिशा में कार्य शुरू हो चुका है। मैं सेक्टर 10 व 11 की समस्याओं से वाकिफ हूं। अन्य सेक्टरों में यदि कहीं कोई समस्या है तो उसका पता लगाकर समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। जिन सेक्टरों में दिक्कत है वहां किल्लत की सबसे बड़ी वजह उनका पाइप लाइन नेटवर्क के अंतिम छोर पर होना है,

टीएमसी की निर्ममता ने मां को रुला दिया, माटी को घुसपैठियों के हवाले कर दिया: पीएम मोदी का ममता पर करारा हमला

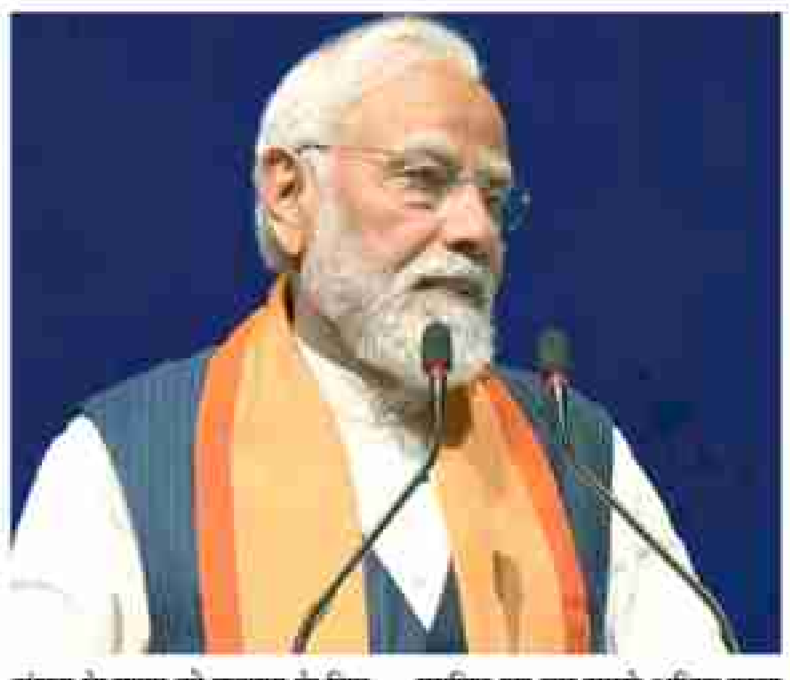

कोलकाता। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को ममता बनर्जी सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि पहले चरण में ही इतना भारी मतदान हो गया कि टीएमसी का अहंकार टूट गया है। अब दूसरे चरण में भाजपा सरकार की प्रचंड जीत पक्की है। बंगाल में दूसरे व अंतिम चरण का चुनाव प्रचार संपन्न होने से एक दिन पहले उत्तर 24 परगना जिले में मतुआ समुदाय के गढ़ ठाकुरनगर में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि 15 साल पहले टीएमसी मां, माटी और मानुष की बातें करके सत्ता में आई थी। आखिर क्यों? पीएम ने इसका कारण बताते हुए कहा कि यह टीएमसी वाले अगर मां, माटी और मानुष की याद दिलाएंगे तो इनके पाप सामने आ जाएंगे। टीएमसी की निर्ममता ने मां को रुला दिया, माटी को सिंडिकेट व घुसपैठियों के हवाले कर दिया और बंगाल के मानुष को पलायन के लिए मजबूर कर दिया। महिला अपराधों पर घेरते हुए मोदी ने कहा कि टीएमसी के महाजंगलराज की सबसे बड़ी पीड़ित हमारी बहनें, बेटियां हैं। इनके साथ सबसे बड़ा धोखा हुआ है, इसलिए इस बार सबसे अधिक गुस्सा बहनों में ही है। संदेशखाली में बहनों के साथ गुंडे अन्याय करते रहे। टीएमसी की निर्मम सरकार गुंडों का साथ देती रही। यहां तो बहनों को ही गाली दी गई। यह कभी भूलना नहीं है। मोदी ने कहा कि टीएमसी के महाजंगलराज में यहां से बेटियां लापता हो रही हैं लेकिन राज्य सरकार सोई पड़ी है, बेटियों की इन्हें कोई चिंता नहीं है। लेकिन अब और नहीं।

***ममता सरकार में मां-माटी और मानुष का सम्मान नहीं, छोटे-छोटे नेता खुद को सरकार समझते हैं**

***पीएम ने कहा- हाई कोर्ट-सुप्रीम कोर्ट से आदेश आने पर टीएमसी काम करती है**

***पीएम ने कहा- जनता मां दुर्गा का रूप लेकर अन्याय का अंत करती है**

***भाजपा सरकार महिलाओं को 36,000 सालाना देगी।**

गुंडे, दुष्कर्मियों का चुन-चुन कर हिसाब चार मई के बाद भाजपा की सरकार करेगी।

पीएम मोदी की बंगाल के लिए बड़ी घोषणा

मोदी ने कहा कि बंगाल में भाजपा सरकार हर साल 36 हजार रुपये बहनों के खाते में जमा करेगी। आंगनबाड़ी हो, अन्य महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता हो, उनके वेतन-भत्ते को लेकर भी बंगाल भाजपा ने बड़ी घोषणा की है। बंगाल भाजपा ने बेटियों को सरकारी नौकरी में 35 प्रतिशत आरक्षण देने का फैसला किया है। बंगाल की डबल इंजन सरकार का बंगाल की बहन-बेटियों को डबल फायदा होगा। पीएम ने मतुआ शरणार्थियों को नागरिकता देने का अपना वादा भी दोहराया। कहा कि भारत के नागरिकों के समान मतुआ शरणार्थियों को भी नागरिकता दी जाएगी।

राघव चड्ढा सहित सातों सांसदों की बढ़ेगी मुश्किल? संजय सिंह ने उठाया बड़ा कदम

नई दिल्ली । आम आदमी पार्टी ने राघव चड्ढा सहित पार्टी छोड़ने वाले सातों सांसदों के खिलाफ बड़ा कदम उठाया है. संजय सिंह ने जानकारी दी कि उन्होंने राज्यसभा के सभापति और देश के उपराष्ट्रति को एक पेटिशन भेजी है जिसमें संविधान 10वीं अनुसूची के मुताबिक इस सातों की सदस्यों की सदस्यता पूरी तरह से खत्म की जाए इसका अनुरोध किया है.

रविवार (26 अप्रैल) को संजय सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी जानकारी दी. उन्होंने कहा, कई संविधान के ज्ञाताओं ने, देश के वरिष्ठ अधिवक्ता और संविधान के विशेषज्ञ कपिल सिब्बल, पीडीटी आचार्य ने और तमाम लोगों ने ये साफ कर दिया है कि जिन सात लोगों ने आम आदमी पार्टी को तोड़कर भारतीय जनता पार्टी में विलय करने का फैसला लिया है, उनको सबकी सदस्यता खत्म होगी, रद्द होगी, समाप्त होगी.

जल्द से जल्द सुनवाई करके एक न्यायपूर्ण फैसला दें

इसके आगे उन्होंने कहा, सभी विशेषज्ञों से बातचीत करके, सिब्बल साहब की राय लेकर मैंने राज्यसभा के सभापति और देश के उपराष्ट्रपति महोदय को एक पेटिशन भेजी है जिसमें संविधान की 10वीं अनुसूचि के मुताबिक, इन सातों सदस्यों की सदस्यता पूरे तरीके से खत्म की जाए, समाप्त की जाए, इसके बारे में उनसे अनुरोध किया है. उपराष्ट्रति महोदय से मांग की है कि इसकी जल्द से जल्द सुनवाई करके एक न्यायपूर्ण फैसला दें. जब मीडिया ने संजय सिंह से सवाल किया कि क्या आपको लगता है कि इसका जल्द निपटारा किया जाएगा, इस पर उन्होंने कहा, जिन मामलों में निपटारा नहीं हुआ, उसमें कोर्ट के फैसले आए, कई ऐसे उदाहरण हैं. उत्तराखंड के मामले में क्या हुआ. याद कीजिए अरुणाचल के मामले में क्या हुआ. जब वहां इस प्रकार की तोड़फोड़ की गई थी तो सुप्रीम कोर्ट ने फैसला दिया था. कई बार विलंब होने से निराशा जरूर होती है लेकिन उसकी कानूनी लड़ाई लड़ेंगी. संविधान की बात तो सबको मानना पड़ेगा, वो तो सबके ऊपर लागू होता है.

मानहानि और जालसाजी केस- कांग्रेस नेता पवन खेड़ा पहुंचे सुप्रीम कोर्ट, असम पुलिस की एफआईआर को दी चुनौती

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने गौहाटी उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। बता दें कि, गौहाटी उच्च न्यायालय ने मानहानि और जालसाजी के एक मामले में उनकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी थी। यह मामला असम पुलिस ने उनके खिलाफ दर्ज किया है। पवन खेड़ा ने अपनी अग्रिम जमानत याचिका खारिज होने के बाद शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया है। सुप्रीम कोर्ट की आधिकारिक वेबसाइट पर मौजूद जानकारी के मुताबिक, खेड़ा ने रविवार को एक स्पेशल लीव पिटीशन (एसएलपी) दायर की है, और इस मामले को डायरी नंबर 25523/2026 के तौर पर रजिस्टर किया गया है। शाम करीब 6.26 बजे दायर की गई यह याचिका फिलहाल पेंडिंग के तौर पर लिस्टेड है। यह याचिका गौहाटी हाईकोर्ट की ओर से खेड़ा को गिरफ्तारी से पहले जमानत देने से इनकार करने के दो दिन बाद आई है। जस्टिस पार्थिवज्योति सैकिया की सिंगल-जज बेंच ने फैसला सुनाया था कि कांग्रेस नेता गिरफ्तारी से पहले जमानत का विशेषाधिकार पाने के हकदार नहीं हैं। गौहाटी हाईकोर्ट ने उनकी याचिका खारिज करते हुए कहा था कि इस मामले को सिर्फ मानहानि का मामला नहीं कहा जा सकता। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 की धारा 339 के तहत पहली नजर में मामला बनने के सबूत मौजूद हैं। असम पुलिस ने उनके खिलाफ मानहानि और जालसाजी का मामला दर्ज किया था। यह मामला असम के मुख्यमंत्री हिमंत कुमार सरमा की पत्नी रिनिकी भुइयां सरमा ने दर्ज कराया है। उन्होंने खेड़ा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी। खेड़ा ने हाल ही में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में दावा किया था कि रिनिकी भुइयां सरमा के पास कई विदेशी पासपोर्ट और विदेशों में अघोषित संपत्तियां हैं।

बंगाल में कांग्रेस कार्यकर्ता की हत्या- राहुल गांधी बोले-चरम पर टीएमसी का जंगलराज; लोकतंत्र नहीं, दहशत का है शासन

नई दिल्ली । पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के पहले चरण के बाद हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है। कांग्रेस के कद्दावर नेता राहुल गांधी ने रविवार को पार्टी कार्यकर्ता देबदीप चटर्जी की कथित हत्या को लेकर ममता सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि बंगाल में अब लोकतंत्र नहीं, बल्कि तृणमूल कांग्रेस का आतंक का शासन चल रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस हिंसक राजनीति के सामने कभी नहीं झुकेगी।

आसनसोल में हुई बर्बरता

जानकारी के अनुसार, देबदीप चटर्जी की हत्या आसनसोल में चुनाव के बाद भड़की हिंसा के दौरान की गई। कांग्रेस का दावा है कि देबदीप आसनसोल उत्तर से पार्टी के उम्मीदवार प्रसेनजीत पुईतांडी के बेहद करीबी सहयोगी थे। पश्चिम बंगाल कांग्रेस का आरोप है कि सत्ताधारी दल तृणमूल कांग्रेस से जुड़े उपद्रवियों ने देबदीप पर जानलेवा हमला किया और उन्हें बेरहमी से पीटा। गंभीर रूप से घायल होने के बाद उन्होंने दम तोड़ दिया।

राहुल गांधी का सोशल मीडिया पर कड़ा प्रहार

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट साझा किया। उन्होंने लिखा, चुनाव के बाद टीएमसी से जुड़े गुंडों द्वारा कांग्रेस कार्यकर्ता देबदीप चटर्जी की हत्या अत्यंत निंदनीय है। पीड़ित परिवार के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। राहुल गांधी ने कहा कि विरोधी आवाजों को डराना, धमकाना और उन्हें खत्म कर देना ही अब टीएमसी का असली चरित्र बन गया है। उन्होंने कहा, हमारी राजनीति कभी हिंसा पर आधारित नहीं रही है और न कभी होगी। हमने अपने कार्यकर्ताओं को खोया है, लेकिन हमने हमेशा अहिंसा और संविधान का रास्ता चुना है। यही हमारी विरासत है और यही हमारा संकल्प है।

न्याय और मुआवजे की मांग

पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने प्रशासन से मांग की है कि सभी दोषियों को तुरंत गिरफ्तार किया जाए और उन्हें कड़ी से कड़ी सजा दी जाए। साथ ही, उन्होंने देबदीप के परिवार को पूर्ण सुरक्षा और उचित मुआवजा देने की भी अपील की। उन्होंने कहा कि भारत की अहिंसक परंपरा को चोट पहुंचाने वाली इस राजनीति के सामने न्याय होकर रहेगा।

प्रशासनिक सुस्ती पर उठे सवाल

पश्चिम बंगाल कांग्रेस ने अपने आधिकारिक हैंडल से पोस्ट कर राज्य की कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। पार्टी का कहना है कि यह दुखद घटना राज्य में सुरक्षा तंत्र के पूरी तरह ध्वस्त होने का प्रमाण है। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि इतनी बड़ी वारदात होने के बाद भी शुरुआती रिपोर्टों तक पुलिस द्वारा एफआईआर दर्ज नहीं की गई थी। कांग्रेस ने कहा कि बंगाल में लोकतंत्र दम तोड़ चुका है। विपक्षी आवाजों को दबाने के लिए हिंसा को हथियार बनाना टीएमसी का ट्रेडमार्क बन गया है।

दिल्ली एयरपोर्ट पर हादसा- टेकऑफ के दौरान स्विस एयर विमान के इंजन में आग, छह यात्री घायल

नई दिल्ली । दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट पर स्विस एयर की फ्लाइट एलएक्स 147 के टेकऑफ के दौरान उसके इंजन में अचानक खराबी आ गई और आग लग गई। इस घटना में कम से कम 6 यात्रियों के घायल होने की खबर है। हालांकि, पायलट और ग्राउंड स्टाफ की तत्परता के चलते एक बड़ी दुर्घटना होने से बच गई। सूत्रों के अनुसार, स्विस एयर का यह विमान दिल्ली से अपने गंतव्य के लिए उड़ान भरने ही वाला था। जैसे ही विमान रनवे पर गति पकड़ रहा था, तभी उसके एक इंजन से असामान्य आवाज आने लगी और देखते ही देखते उसमें आग की लपटें दिखाई देने लगीं। स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए पायलट ने तुरंत टेकऑफ रोक दिया और एयर ट्रैफिक कंट्रोल को सूचना दी। इसके बाद एयरपोर्ट पर मौजूद दमकल विभाग और आपातकालीन सेवाएं तुरंत हरकत में आ गईं। कुछ ही मिनटों में आग पर काबू पा लिया गया और विमान को सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया। इस दौरान विमान में सवार यात्रियों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। बताया जा रहा है कि हादसे के दौरान 6 यात्री हल्के रूप से घायल हो गए, जिन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। सभी घायलों की हालत स्थिर बताई जा रही है और उन्हें प्राथमिक उपचार दिया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, विमान में 232 यात्री सवार थे। यह दिल्ली से ज्यूरिख जा रहा था। एयरपोर्ट अधिकारियों के अनुसार, विमान में सवार सभी यात्रियों और क्रू मेंबर्स को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। सुरक्षा के सभी मानकों का पालन करते हुए पूरे ऑपरेशन को अंजाम दिया गया। घटना के बाद कुछ समय के लिए रनवे संचालन प्रभावित हुआ, लेकिन बाद में स्थिति सामान्य कर दी गई। इस घटना के बाद विमानन कंपनी और संबंधित एजेंसियों ने जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में इंजन में तकनीकी खराबी को आग लगने का कारण माना जा रहा है। विशेषज्ञों की टीम विमान के ब्लैक बॉक्स और अन्य तकनीकी पहलुओं की जांच कर रही है ताकि घटना के सटीक कारणों का पता लगाया जा सके। बताया जा रहा है कि घटना के समय विमान के अंदर अचानक धुआं भरने लगा था, जिससे घबराहट फैल गई। हालांकि क्रू मेंबर्स ने सूझबूझ का परिचय देते हुए सभी यात्रियों को शांत रखा और सुरक्षित बाहर निकालने में मदद की।

इजराइली सैनिक की मौत के बाद हड़कंप, 7 शहरों को खाली करने का सख्त अल्टीमेटम

यरूशलेम/बेरूत।

लेबनान में फिर भड़की भीषण जंग

इजराइल और हिजबुल्लाह के बीच हुआ युद्धविराम अब पूरी तरह से टूटने की कगार पर है। दक्षिणी लेबनान में जारी हिंसा के बीच रविवार को एक इजराइली सैनिक के मारे जाने के बाद तनाव चरम पर पहुंच गया है। इसके जवाब में इजराइल ने बफर जोन के बाहर स्थित 7 लेबनानी शहरों को तुरंत खाली करने की चेतावनी जारी कर वहां के निवासियों को उत्तर और पश्चिम की ओर जाने का आदेश दिया है। इजरायली सेना के मुताबिक, हिजबुल्लाह ने युद्धविराम का उल्लंघन करते हुए इजरायली सैनिकों और उन्हें बचाने आई रेस्क्यू टीम पर हमला किया, जिसमें एक सैनिक की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कैबिनेट बैठक में कड़े शब्दों में कहा, «हमारे लिए इजराइल की सुरक्षा, हमारे सैनिकों की सुरक्षा और हमारे समुदायों की सुरक्षा सर्वोपरि है»। उन्होंने स्पष्ट किया कि इजराइल अमेरिका और लेबनान के साथ सहमत नियमों के तहत ही जवाबी कार्रवाई कर रहा है।

हिजबुल्लाह ने कूटनीति को बताया बेअसर

दूसरी ओर, ईरान समर्थित समूह हिजबुल्लाह ने भी पीछे हटने से इनकार कर दिया है। संगठन ने बयान जारी कर कहा कि वह तब तक इजरायली सेना और उत्तरी इजराइल के शहरों पर हमले जारी रखेगा, जब तक इजराइल युद्धविराम का उल्लंघन करना बंद नहीं करता। हिजबुल्लाह ने कूटनीतिक प्रयासों को बेअसर बताते हुए लेबनानी अधिकारियों पर देश की रक्षा करने में विफल रहने का आरोप लगाया है।

चुनाव शपथ पत्र में शैक्षणिक योग्यता की गलत जानकारी भ्रष्ट आचरण नहीं, दिल्ली हाई कोर्ट का अहम फैसला

नईदिल्ली। विधानसभा चुनाव में नामांकन के साथ दाखिल शपथ पत्र में शैक्षिक योग्यता के संबंध में दी गई जानकारी पर दिल्ली हाई कोर्ट ने अहम निर्णय सुनाया है। न्यायमूर्ति दिनेश मेहता व न्यायमूर्ति विनोद कुमार की पीठ ने निर्णय सुनाया कि जनप्रतिनिधि अधिनियम की धारा 123(चार) के तहत नामांकन शपथपत्र में अपनी खुद की शैक्षणिक योग्यता के बारे में गलत जानकारी देनाभ्रष्ट आचरण नहीं माना जाएगा। अदालत ने उक्त निर्णय 2020 के दिल्ली विधानसभा चुनावों में करोल बाग विधानसभा क्षेत्र से पूर्व आप विधायक विशेष रवि के चुनाव को चुनौती देने वाली भाजपा प्रत्याशी योगेंद्र चंदोलिया की याचिका पर सुनाया। योगेंद्र चंदोलिया ने इस आधार पर विशेष रवि के चुनाव को रद्द करने की मांग की थी।

भट्ठी में तब्दील हुई दिल्ली- तापमान 42 डिग्री के पार

नई दिल्ली । दिल्ली में इस समय कई दिनों से आसमान से आग बरस रही है। दिन के साथ रातें भी लगातार गर्म हो रही हैं। दोपहर के समय तो यूं मानो ऐसा लगता हो, जैसे भट्ठी जल रही हो। इसी कड़ी में रविवार सुबह से ही तपती धूप और गर्म हवाओं ने लोगों का जीना दुश्वार कर दिया। इससे लोगों का हाल बेहाल रहा और वह परेशान दिखे। वह घर से बाहर निकलते ही पसीना पोंछते नजर आए। यही नहीं, हालात ऐसे थे कि रात में भी सुकून नहीं मिला। दिन और रात के समय गर्म हवा चली। मौसम विभाग ने पहले ऑरेंज फिर शाम तक आते-आते लू का यलो अलर्ट जारी किया हुआ था। इस दौरान अधिकतम तापमान 42.1 और न्यूनतम तापमान 26.2 डिग्री दर्ज हुआ। दिल्ली में अधिकतम आर्द्रता 60 प्रतिशत और न्यूनतम आर्द्रता 22 प्रतिशत रही। वहीं, लगातार पांच दिन से पारा 40 डिग्री सेल्सियस के ऊपर दर्ज किया गया। इसके अलावा दिल्ली के कई इलाकों में तापमान 42 डिग्री सेल्सियस के ऊपर रहा और लू की स्थिति बनी रही। मौसम विभाग के वैज्ञानिकों के अनुसार, अगले दो दिन के दौरान अधिकतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा और उसके बाद के तीन दिन में इसमें 4-6 डिग्री की गिरावट आएगी और उसके बाद लगभग 2 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होगी। वहीं, अगले तीन दिन के दौरान अधिकतम तापमान सामान्य से काफी अधिक रहने की संभावना है और उसके बाद यह सामान्य स्तर पर आ जाएगा। इसके अलावा, दिल्ली के कई इलाकों में लू की स्थिति महसूस की गई है। ऐसे में लू का यह लगातार तीसरा दिन रहा। इन स्थितियों के अगले 24 घंटे तक जारी रहने की आशंका है। उन्होंने बताया कि निचले ट्रोपोस्फेरिक स्तर पर पूर्वी हवाओं के चलने के प्रभाव से अधिकतम तापमान में गिरावट आने की संभावना है, जिससे 28 अप्रैल से इस क्षेत्र में लू की स्थिति में कमी आएगी।

राजधानी में कई दिनों से भीषण गर्मी और लू का प्रकोप है। रविवार को अधिकतम तापमान 42.1 डिग्री दर्ज हुआ।

आज भी लू का यलो अलर्ट, लेकिन मंगलवार से करवट लेगा मौसम

दिल्ली में अगले कुछ दिनों तक भीषण गर्मी और बदलते मौसम का मिला-जुला असर देखने को मिलेगा। मौसम विभाग के अनुसार, 27 अप्रैल को अधिकतम तापमान 43-45 डिग्री और न्यूनतम 26-28 डिग्री रहने की संभावना है। इस दौरान आंशिक बादल छाए रहेंगे और लू जारी रहेगी। मौसम विभाग ने लू का यलो अलर्ट जारी किया है। साथ ही, दोपहर बाद गरज के साथ हल्की बारिश हो सकती है। इस दौरान हवाओं की गति 30-40 किमी प्रति घंटे और झोंकों में 50 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। यही नहीं, 28 अप्रैल को राहत की बारिश होने की उम्मीद है। इस दौरान अधिकतम तापमान घटकर 40-42 डिग्री और न्यूनतम 27-29 डिग्री रहने का अनुमान है। इस दौरान आसमान धीरे-धीरे पूरी तरह बादलों से घिर सकता है और गरज, बिजली और तेज हवा 30-40 किमी प्रति घंटे, झोंकों में 50 किमी प्रति घंटे के साथ हल्की बूंदाबांदी संभव है।

29-30 अप्रैल को भी बारिश की संभावना

मौसम विभाग के अनुसार, 29 अप्रैल को भी बारिश होने की उम्मीद है। इस दौरान अधिकतम तापमान 39-41 डिग्री और न्यूनतम 25-27 डिग्री रहने की संभावना है। साथ ही, आसमान में बादल छाए रहेंगे और हल्की बारिश, गरज-चमक व तेज हवाओं का दौर जारी रह सकता है। वहीं, 30 अप्रैल को अधिकतम तापमान 37-39 डिग्री और न्यूनतम 23-25 डिग्री तक गिर सकता है। दिन में आंशिक बादल और शाम के समय गरज के साथ बादल बनने की संभावना है। इसके अलावा, 1 और 2 मई को अधिकतम तापमान 39-41 डिग्री और न्यूनतम तापमान क्रमशः 23-25 और 24-26 डिग्री रहने का अनुमान है, इन दिनों आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा और हवाएं सामान्य गति से चलेंगी।